मोजांबिक

एरिया – 1 :

ओएनजीसी विदेश रोवुमा क्षेत्र 1 विकासात्मक ब्लॉक में 16 प्रतिशत पीआई धारित करता है। जनवरी, 2014 में, ओएनजीसी विदेश और ऑयल इंडिया लिमिटेड ने संयुक्त रूप से विडियोकॉन मॉरिशश एनर्जी लिमिटेड से 60 : 40 अनुपात में, एरिया -1 में 10 प्रतिशत पीआई धारित एक बीवीआई कंपनी विडियोकॉन मोजांबिक रोवुमा 1 लिमिटेड (वीएमआरआईएल) से अर्जित किया। ओएनजीसी विदेश ने फरवरी, 2014 में अंडार्को मोजांबिक एरिया 1 लिमिटाडा से एरिया - 1 में 10 प्रतिशत अतिरिक्त पीआई भी हासिल किया, और इस प्रकार एरिया - 1 में ओएनजीसी विदेश का कुल पीआई 16 प्रतिशत हो गया।

एरिया - 1 में लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर का स्तल क्षेत्र शामिल है और यह मोजांबिक रोवुमा बेसिन अपतट के सुदूरतम उत्तरी भाग में तट रेखा और करीब 2400 मीटर बाथीमेट्री में अवस्थित है। ओलिगोसिन, इयोसिन एवं पैलियोसिन आगारों,के मुख्यत: दो अलग अलग फील्डों, प्रोसपेरिडैड और गोलफिन्हो / एटम में अन्वेषणात्मक और मूल्यांकन वेधन द्वारा विशाल गैस भंडार की पुष्टि हुई है। साथ ही, ओआरसीए फील्ड में हाल में गैस खोज की गयी है। प्रथम चरण के दौरान, मोजांबिक के उत्तरी राज्य कैबो डेलगाडो के पालमा जिला में अफुंगी में अभितटीय एलएनजी सुविधाओं के सृजन से या तो अविभाजित फील्ड गोलफिनो - एटम अथवा विभाजित आगार प्रोसपेरियाडैड परिसर का विकास करने की योजना है।

लीबिया :

कंट्रेक्ट एरिया 43

कंट्रेक्ट एरिया 43 में ओएनजीसी विदेश परिचालन अधिकार के साथ के साथ 100 प्रतिशत शेयर धारित करता है। यह ब्लॉक 17 अप्रैल 2007 से लागू एक अन्वेषण और उत्पादन साझीदारी समझौता (ईपीएसए) के तहत हासिल किया गया था। कंट्रेक्ट एरिया 43 लीबिया के सायरेनायका अपतटीय बेसिन में अवस्थित है और इसमें 7,449 वर्ग किलोमीटर में फैले चार ब्लॉक शामिल हैं तथा इनकी जल गहराई 2,200 मीटर है। लीबिया में गृह युद्ध के कारण, कंट्रैक्ट एरिया 43 मे परिचालन को रोक दिया गया और फरवरी, 2011 में अप्रत्याशित घटना (Force Majure) का नोटिस दिया गया था, जिसे बाद में सुरक्षा वातावरण में सुधार आने के कारण 1 जून 2012 से हटा लिया गया। इस ब्लॉक के अन्वेषण चरण की समय सीमा दिनांक 21. 07. 2014 को समाप्त हो गयी। एनओसी लीबिया को अन्वेषण चरण विस्तार के लिए वर्ष 2016 में आवेदन किया गया था और दिनांक 17. 02. 2017 को एक स्मारक पत्र भेजा गया था।

सुडान

जीएनपीओसी

ओएनजीसी विदेश अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ओएनजीसी नाइल गंगा बीवी (ओएनजीसी बीवी) के माध्यम से सुडान के उत्पादनकारी ग्रेटर नाइल तेल परियोजना (जीएनओपी) में 25 प्रतिशत पीआई का धारक है। इस परियोजना के अन्य साझीदारों में सीएनपीसी, पेट्रोनास और सुडापेट शामिल हैं। सुडान का जीएनओपी मॉरिशश में पंजीकृत एक संयुक्त प्रचालन कंपनी 'ग्रेटरनाइल पेट्रोलियम परिचालन कंपनी (जीएनपीओसी) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से सभी साझीदारों द्वारा संयुक्त रूप से परिचालित है। यह परियोजना मार्च, 2003 में हासिल की गयी थी, जिसमें सुडान के राष्ट्रीय राजधानी शहर खार्टोम के करीब 780 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में अवस्थित मुगलाड बेसिन के 49,500 वर्ग किलोमीटर में फैले अभितटीय ब्लॉक 1,2 एवं 4 की अपस्ट्रीम परिसंपत्तियां शामिल हैं। दक्षिणी सुडान के सुडान से अलग हो जाने के कारण जीएनओपी फील्ड सुडान और दक्षिणी सुडान के बीच विभाजित हो गया है। ब्लॉक 2 बी के लाइसेंस की समय सीमा दिनांक 29. 11. 2016 को समाप्त हो गयी।

पाइपलाइन परियोजना

ओएनजीसी विदेश ने मिडस्ट्रीम में कदम रखा है और वर्ष 2005 में सुडान की 741 किलोमीटर लंबी उत्पाद पाइपलाइन परियोजना पूरी की है।

दक्षिणी सुडान

जीपीओसी और ब्लॉक 5ए

ओएनजीसी विदेश अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ओएनजीसी नाइल गंगा बीवी (ओएनजीसी बीवी) के माध्यम से दक्षिणी सुडान के ग्रेटर नाइल तेल परियोजना (जीएनओपी) में 25 प्रतिशत पीआई का धारक है। इस परियोजना के अन्य साझीदारों में सीएनपीसी, पेट्रोनास और नाइलपेट शामिल हैं। दक्षिणी सुडान का जीएनओपी मॉरिशश में पंजीकृत एक संयुक्त प्रचालन कंपनी 'ग्रेटरनाइल पेट्रोलियम परिचालन कंपनी (जीएनपीओसी) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से सभी साझीदारों द्वारा संयुक्त रूप से परिचालित है। यह परियोजना दक्षिणी सुडान से हटने के पहले (मार्च,2003 में) हासिल की गयी थी, जिसमें अभितटीय ब्लॉक 1,2 एवं 4 की अपस्ट्रीम परिसंपत्तियां शामिल हैं। दक्षिणी सुडान के सुडान के अलग हो जाने के पश्चात् जीएनओपी फील्ड सुडान और दक्षिणी सुडान के बीच विभाजित हो गया है।

ओएनजीसी विदेश का पेट्रोनास और नाइलपेट के साथ 24.125 प्रतिशत पीआई है। यह परियोजना एक संयुक्त कंसोर्टियम, ''एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एसपीओसी)'' के माध्यम से सभी साझीदारों द्वारा संयुक्त रूप से परिचालित है और इसमें अन्वेषित भंडार और गैर अन्वेषित रकबे शामिल हैं।
दोनों परियोजनाएं, फिलहाल, असुरक्षा एवं गृह युद्ध के कारण दिसंबर, 2013 से बंद हैं।

सुडान

ग्रेटर नाइल तेल परियोजना (जीएनओपी) 1,2 एवं 4 :
ब्लॉक 1,2 एवं 4, जिसे सामूहिक रूप से ग्रेटर नाइल तेल परियोजना (जीएनओपी) के रूप में जाना जाता है, प्रारंभ में सुडान की राजधानी, खार्टोम के दक्षिण पश्चिम में करीब 780 किलोमीटर दूर विशाल मुगलाद बेसिन के 49,500 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ था। वर्ष 1996 में सभी साझीदारों द्वारा गठित एक संयुक्त परिचालन कंपनी, नामत: ग्रेटर नाइल पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी (जीएनपीओसी), ने अपना उत्पादन वर्ष 1999 में शुरु किया। दक्षिणी सुडान के सुडान से अलग होने पर, ब्लॉक 2ए, 2बी एवं 4एन सुडान में रह गए और ब्लॉक 1ए, 1बी और 4एस दक्षिणी सुडान में आ गए। वर्तमान में जीएनपीओसी के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल 29,749 वर्ग किलोमीटर है।
ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने मार्च, 2003 में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी नाइल गंगा बी. वी. (ओएनजीबीवी) के माध्यम से जीएनओपी में 25 प्रतिशत प्रतिभागिता हित (पीआई) अर्जित किया था। अन्य साझीदारों में चीनी राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनी (40 प्रतिशत पीआई), पेट्रोनास ऑफ मलेशिया (30 प्रतिशत पीआई) और सुडापेट ऑफ सुडान (5 प्रतिशत पीआई) शामिल है। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (90 प्रतिशत पीआई) ने ऑयल इंडिया लिमिटेड की साझेदारी में खार्टोम तेलशोधक से सुडान पोर्ट तक 741 किलोमीटर लंबी 12 इंच बहु-उत्पाद पाइपलाइन का वित्तपोषण और निर्माण किया है।
उत्पादित कच्चे तेल निर्यात के लिए इसके डाउनस्ट्रीम प्रभाग, द सुडान क्रुड ऑयल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (एससीओटीएस), के माध्यम से हेगलिंग स्थित केन्द्रीय प्रसंस्सकरण सुविधा से लाल सागर पर सुडान बंदरगाह तक एक 1504 किलोमीटर लंबी, 28 इंच पाइपलाइन के माध्यम से परिवहन किया जाता है।

दक्षिणी सुडान :

ब्लॉक 1,2 एवं 4

ब्लॉक 1,2 एवं 4 सुडान की राजधानी, खार्टोम के दक्षिण पश्चिम में करीब 780 किलोमीटर दूर विशाल मुगलाद बेसिन में स्थित है। दक्षिणी सुडान के सुडान से अलग होने पर, ब्लॉक 2ए, 2बी एवं 4एन सुडान में रह गए और ब्लॉक 1ए, 1बी और 4एस दक्षिणी सुडान में आ गए। वर्तमान में दक्षिणी सुडान के अंतर्गत इन ब्लॉकों का कुल क्षेत्रफल 18,515 वर्ग किलोमीटर है।

विभाजन के पश्चात्, सुडापेट के शेयर नाइलपेट को अंतरित हो गए। नाइलपेट के साथ ब्लॉक 1,2 एवं 4 के साझीदार ने नयी संयुक्त उद्यम कंपनी - मॉरीशश में पंजीकृत ग्रेटर पायनियर ऑपरेटिंग कंपनी (जीपीओसी) बनायी और दक्षिणी सुडान गणराज्य के ब्लॉक 1, 2 एवं 4 के कंट्रेक्ट क्षेत्र के पेट्रोलियम अन्वेषण और उत्पादन अधिकार जारी रखने के लिए 13 जनवरी 2012 को दक्षिणी सुडान के साथ एक अंतरण समझौता निष्पादित किया है।

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड का जीपीओसी में 25 प्रतिशत प्रतिभागिता हित (पीआई) है। अन्य साझीदारों में चीनी राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनी (40 प्रतिशत पीआई), पेट्रोनास ऑफ मलेशिया (30 प्रतिशत पीआई) और नाइलपेट (5 प्रतिशत पीआई) शामिल है।

ब्लॉक 5ए, दक्षिणी सुडान

ब्लॉक 5ए पूरी तरह दक्षिणी सुडान में मुगलाड बेसिन में अवस्थित है और करीब 20,917 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें अन्वेषित आगार और गैर अन्वेषित रकबे हैं।

ओएनजीसी विदेश का मॉरिशश में पंजीकृत एक संयुक्त कंसोर्टियम ''एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एसपीओसी) के माध्यम से ब्लॉक 5ए में 24.125 प्रतिशत पीआई है, जबकि पेट्रोनास का 67.875 प्रतिशत पीआई और नाइलपेट का 8 प्रतिशत पीआई है।

इस ब्लॉक में दो अन्वेषित फील्ड अर्थात् थार जाठ और माला जाठ हैं। 26 जून 2006 को 24 थार जाठ के टाइंग अप के साथ जाथ फील्ड से उत्पादन शुरु कर दिया गया था और प्रथम वाणिज्यिक उत्पादन अगस्त, 2006 में 277,000 बैरल था। माला मुख्य फील्ड के सभी 7 कूपों को दिसंबर, 2016 मध्य में टाइ अप कर दिया गया था और वर्तमान में 5 कूपों से उत्पादन हो रहा है।